हादसा : पाण्डुका-जतमई मार्ग पर हुआ हादसा, चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर भागा

इको वाहन की ठोकर से राखी बांधने आ रहे दंपति की मौत, दो साल की बच्ची गंभीर

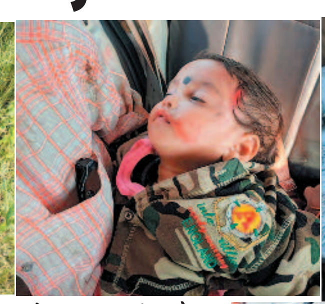

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| पाण्डुका

पाण्डुका/जतमई मार्ग पर सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन इस मार्ग पर हर सप्ताह एक-दो घटनाएँ हो रही हैं, जिनमें लोग अपनी जान गँवा रहे हैं। सड़क चौड़ीकरण से जहाँ सुविधा मिली है, वहीं तेज रफ्तार और नशे में गाड़ी चलाने का कहर जारी है।

ऐसा ही कुछ रक्षाबंधन के दिन रजनकटा और पाण्डुका के बीच देखने को मिला, जहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक सवार दंपति की मौत हो गई, जबकि उनकी 2 साल की बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान धमतरी जिले के बारना गांव निवासी मनोज पटेल (30 वर्ष) और उनकी पत्नी मनीषा पटेल (27 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दंपति धमतरी के बारना गांव से रायपुर के माना गए थे, और वहां से मनीषा पटेल अपनी भाई को राखी बांधकर अपने पति के साथ खट्टी गांव में पति की बहन को राखी बंधवाने आ रहे थे। तभी एक इको वाहन ने दो मोटर साइकिल सवारों को टक्कर मारी। पहला व्यक्ति अतरमरा का बताया जा रहा है, और उसके बाद इको वाहन ने इस दंपति को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक सवार दंपति पति-पत्नी बहुत दूर खेत में जा गिरे। इको वाहन चालक वाहन को वहीं घटनास्थल पर छोड़कर भाग निकले।

पाण्डुका का स्वास्थ्य केंद्र बना रीफर सेंटर

सबसे बड़ी बात यह है कि पाण्डुका का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केवल एक रीफर केंद्र बनकर रह गया है। यहाँ न तो मौके पर कोई डॉक्टर मौजूद रहते हैं और न ही कोई कर्मचारी। वहीं, यहाँ तैनात 108 एम्बुलेंस भी किसी काम की नहीं बताई जा रही है। घायल लोगों को सुविधा पहुंचाने के लिए रखी गई संजीवनी 108 गाड़ी खुद ही खस्ताहाल में है, जिसके कारण लोग इसे बुलाने के बजाय खुद अपने निजी साधनों से अस्पताल पहुँचना पसंद करते हैं।

पुलिस ने दिखाई तत्परता

मौके पर पाण्डुका पुलिस के जवान जानकारी मिलते ही तत्काल घटनास्थल पहुंचे और अपने पीसीआर वाहन में घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों की मानें तो जोरदार टक्कर से शरीर का कुछ अंग सड़क पर फेंक गया था, वहीं महिला खेत में फेंक गई थी। छोटी सी बच्ची खेतों के बीच में कहीं जा गिरी थी, जिसे राहगीरों ने निकाला और अस्पताल पहुंचने में मदद की।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देश की शान और अभिमान है : साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

■ भाजपा मंडल की हर घर तिरंगा कार्यशाला संपन्न

राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा मंडल फिंगेश्वर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य वक्ता राजिम विधायक रोहित साहू, जिला उपाध्यक्ष प्रीतम सिन्हा, विशिष्ट अतिथि भागवत हरित और वरिष्ठ नेता रामू राम साहू तथा जिला उपाध्यक्ष ईश्वर लाल साहू उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता विधायक रोहित साहू ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारा मान है, सम्मान है, शान है और अभिमान भी है। उन्होंने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र भाई मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के चौथी अर्थव्यवस्था बनने का उल्लेख किया। विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी विश्व के एकमात्र नेता हैं, जिन्हें 29 देशों का सर्वोच्च नागरिक ▶▶| शेष पेज 10 पर

कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी की अपील

विशिष्ट अतिथि प्रीतम सिन्हा (जिला उपाध्यक्ष) ने भी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे हर बूथ और गाँव के हरेक घर में तिरंगा झंडा लगवाने का प्रयास करें। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों को मंडल की बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा। फिंगेश्वर मंडल अध्यक्ष मंजुलता हरित ने भी तिरंगा यात्रा पर अपने विचार रखते हुए सभी कार्यकर्ताओं से इस कार्य का जिम्मेदारी से निर्वहन करने की अपील की। कार्यशाला का संचालन मंडल महामंत्री भुवन साहू ने किया और आभार व्यक्त मंडल उपाध्यक्ष मिंजुन साहू ने किया।

बैठक में उपस्थित गणमान्य सदस्य

इस अवसर पर मंडल महामंत्री प्रेमलाल टोडर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपक श्रीवास, जनक श्रीवास, कोमल ढीढी, अरुण सिन्हा, अशोक साहू, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष दशरथ सिन्हा, जिला मंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा भागवत सिन्हा, मंडल अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग अश्वनी विश्वकर्मा (सोसाइटी अध्यक्ष फिंगेश्वर), संगीता साहू, छबीरम यादव, वीना निषाद, डिगेश साहू, मनीष साहू, नेमीचंद साहू, तुलाराम साहू, राकेश सिन्हा, श्रीमती मधुबाला रात्रे (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), मोती निषाद, गजेंद्र निषाद, रामकिसून साहू, सुखदेव राम साहू, लाला राम पटेल, होरीलाल साहू, संतु यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

मिनीमाता स्मृति दिवस पर महिलाओं का होगा सम्मान

मुड़ागांव(कोरासी)। छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम महिला सांसद, महान समाज सेविका, यशस्वी गुरु माता ममतामई मिनी माता की पुण्यतिथि 11 अगस्त को मनाई जाएगी। संत समाज इस दिवस को हम सब ज्ञान दिवस के रूप में मनाकर समाज को नई दिशा प्रदान करने का कार्य करेंगे। यह कार्यक्रम ग्राम पाटसिवनी में 11 अगस्त दिन सोमवार समय 11:00 बजे से 5:00 बजे तक रखा गया है। इस कार्यक्रम में महिलाओं बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

इतवारी आज काम काज बंद रहेगा

राजिम। रविवार को खार एवं गंगई पूजा किया जाएगा इस अवसर पर सभी प्रकार के खेती, बाड़ी, किसानी, पानी भरना ,साफ-सफाई, निर्माण कार्य बंद रहेगा। यह जानकारी किसान सेवा समिति के राजेश धीवर ने दी।

शराब दुकान के सुपरवाइजर से मारपीट

महासमुंद। शराब दुकान में घुसकर सुपरवाइजर से मारपीट करने के मामले में बसना थाने में ईगल हंटर कंपनी के जीएम के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस को विदेशी मदिरा दुकान बसना के सुपरवाइजर देवप्रसाद बरिहा ने एफआईआर में बताया कि 5 अगस्त को ईगल हंटर मेसर्स कंपनी का जीएम आलोक गुप्ता निवासी रायपुर शराब दुकान बसना में दोपहर 1-2 बजे के बीच आया और गाली गलौज कर कालर पकड़कर मारपीट करने लगा।

हल्बा समाज ने धूमधाम से मनाया आदिवासी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

नगर के हल्बा समाज फिंगेश्वर द्वारा 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हल्बा समाज के लोगों ने अपनी संस्कृति और पहचान का जोरदार प्रदर्शन किया। हल्बा समाज के सदस्यों ने एक तीर एक कमान सर्व आदिवासी एक समान हल्बा समाज की जय/", गैद सिंह नायक अमर रहे, शहीद वीर नारायण सिंह अमर रहे, सर्व आदिवासी समाज जिंदाबाद जैसे नारों के साथ एक विशाल रैली निकाली। यह रैली हल्बा पारा से मौली माता मंदिर तक पहुँची। रैली में उनके अस्त्र-शस्त्र और पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा शोभायमान रही, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस कार्यक्रम में पार्षद चांदनी कश्यप, कमलेश कश्यप, बलदाऊ कश्यप, विष्णु भंडारी, समाज के अध्यक्ष मनहरण कश्यप, कामता कश्यप, रामनारायण कश्यप, जितेंद्र कश्यप, रुपेश कश्यप, घनश्याम घनी कश्यप, अनुज कश्यप, नाथू कश्यप, नत्थू कश्यप, नेहरू कश्यप, नोहर, निर्मल कश्यप सहित बड़ी संख्या में पुरुष सदस्य उपस्थित रहे। महिलाओं में नालती कश्यप, श्यामा कश्यप, अंगीता कश्यप, सेवती कश्यप, ललिता, चित्ररेखा भंडारी, उर्मिला, देवकी और समस्त हल्बा समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस आयोजन ने आदिवासी समाज की एकता और सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित किया।

पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट

महासमुंद। पुरानी रंजिश को लेकर ठेकेदार से मारपीट के मामले में आरोपियों के विरूद्ध बसना थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। बसना पुलिस ने बताया कि ठेकेदारी का काम करने वाले जहीर अली, वार्ड नं0 12 श्याम बिहार बंसुला ने रिपोर्ट लिखाई है कि 8 अगस्त की दोपहर करीबन 2 बजे उसे अवधेश मिश्रा फोन किया व पुरानी रंजिश की बात को लेकर विवाद कर मिलने के लिए बुलाया।

गंगरेल जलाशय से पानी छोड़ने के लिए धनेन्द्र साहू ने लिखा पत्र

नवापारा-राजिम। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने छत्तीसगढ़ शासन के कृषि एवं जल संसाधन मंत्री, कमिश्नर एवं कलेक्टर रायपुर, कलेक्टर धमतरी को पत्र भेजकर गंगरेल जलाशय से शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग किया है। श्री साहू ने कहा कि वर्तमान में पर्याप्त बारिश नही होने के कारण अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ रायपुर जिला में पानी की कमी हो रही है। किसानों ने अपने खेत में धान का बियासी एवं रोपाई का कार्य लगभग संपन्न कर लिए है। 10% ही बियासी का कार्य बाकी होगा। बियासी, रोपाई होने के बाद बारिश नहीं हो रही है लिहाजा पानी की कमी के कारण खेत सुखने लगे है। कहा कि क्षेत्र में कृषि कार्य ठप्प पड़ा हुआ है। श्री साहू ने कहा कि गंगरेल जलाशय सहित विभिन्न जलाशयों में पानी का भराव पर्याप्त है। बारिश नहीं होने से चिंतित किसान जलाशयो से पानी छोडे. जाने की आस लगाए बैठे है। यदि अतिशीध्र जलाशय से महानदी के मुख्य नहरों में पानी नही छोड़ा गया तो किसानो को भारी ▶▶| शेष पेज 10 पर

सांसद चौधरी ने गडकरी से भेंटकर सड़क परियोजनाओं पर की चर्चा

छुरा। महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने लोकसभा भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने धमतरी और गरियाबंद जिलों की दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान मंत्री गडकरी ने दोनों परियोजनाओं को लेकर सकारात्मक पहल करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए।

प्रमुख परियोजनाएं

1. कुरुद बायपास (लंबाईः 6 किमी | लागतः 104.35 करोड़) यह NH-30 को रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। परियोजना से आवागमन ▶▶| शेष पेज 10 पर

राखी बांधने के दौरान कई बहनों की आंखें हुई नम

जिला जेल में 161 बहनों ने 53 भाइयों को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

रक्षाबंधन का पावन पर्व पर शनिवार को जिला जेल की सख्त दीवारों और लोहे की सलाखों के बीच भी स्नेह और अपनेपन की गर्माहट घोल गया। जेल परिसर में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का एक हृदयस्पर्शी नजारा देखने को मिला, जहां सुबह से ही बहनों का तांता लगना शुरू हो गया था। दोपहर 1 बजे तक 161 बहनों ने 53 भाइयों की कलाई पर पवित्र रक्षासूत्र बांधा। यह सिलसिला अभी भी जारी है, और हर राखी के साथ भावनाओं की एक नई कहानी जुड़ रही है। इस पर्व को विशेष और यादगार बनाने के लिए जेल प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी। बहनों के बैठने के लिए अलग से व्यवस्था, साफ-सफाई, और स्वागत के लिए लगाए गए आकर्षक फ्लेक्स ने माहौल को और भी आत्मीय बना दिया। राखी बांधने के दौरान कई बहनों की आंखें नम हो गईं, तो वहीं कई भाइयों की आंखों में भी अपने परिवार की यादें तैर गईं, जिससे वहां एक भावुक और संवेदनशील माहौल बन गया।

रिश्तों की डोर उम्मीद की किरण

जेल अधीक्षक ने इस अवसर पर कहा, भाई-बहन का रिश्ता किसी भी परिस्थिति में पवित्र और अटूट रहता है। आज का यह आयोजन न केवल रिश्तों को मजबूत करता है, बल्कि भाइयों के दिल में सुधार, अपनापन और नई राह पर लौटने की उम्मीद जगाता है। इस सफल आयोजन में सहायक जेल अधीक्षक रवि कुमार भुआर्य, भरत दीवान, प्रमोद राव, वीरेंद्र बांधे, कुंजलाल सिन्हा, विक्रम भोई और नंकेश्वर सिंह का विशेष योगदान रहा।

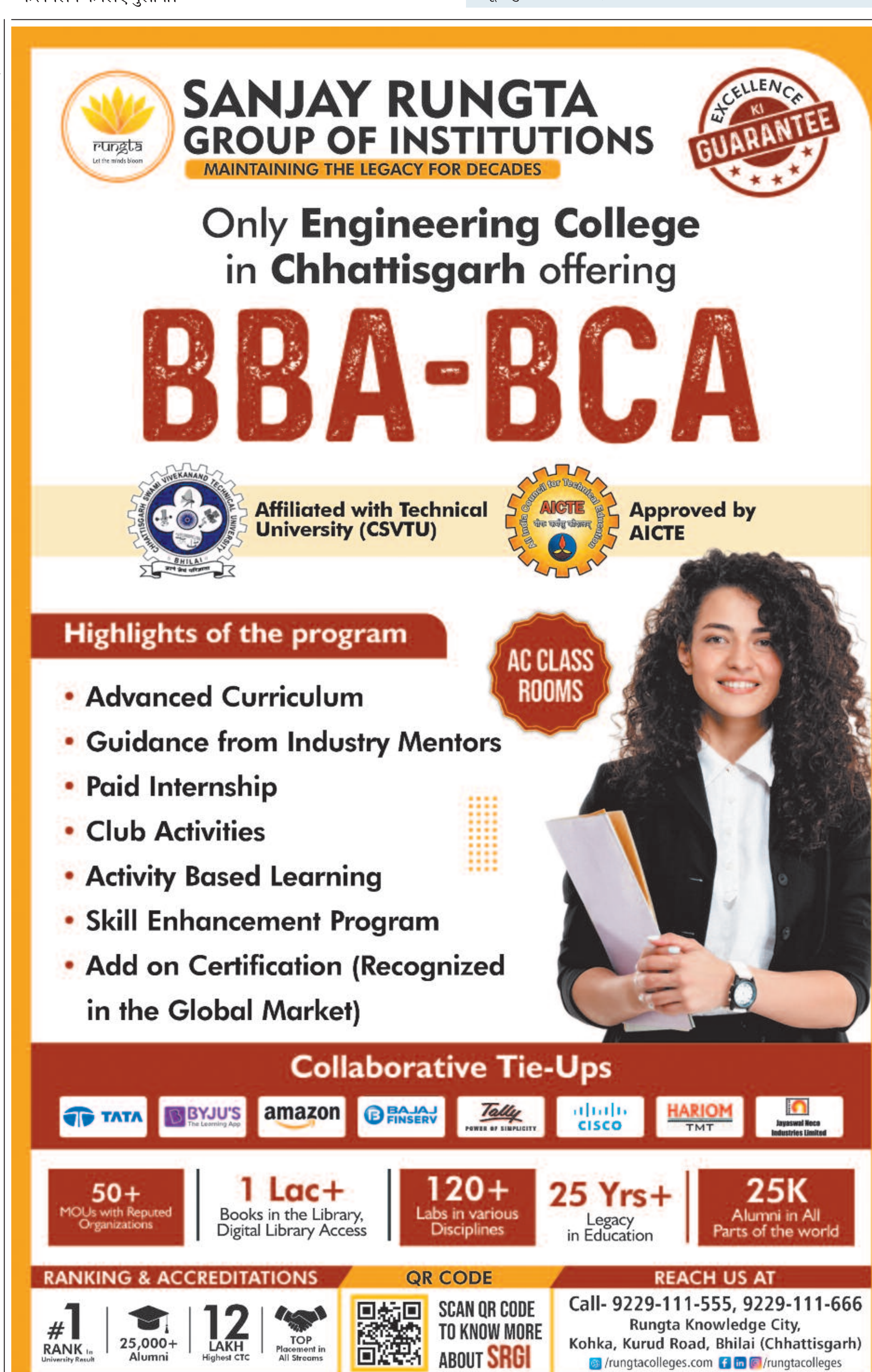

खबर संक्षेप

संकुल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

महासमुंद। आज संकुल स्तरीय समीक्षा बैठक संकुल स्रोत केंद्र बृजराज में संकुल प्रभारी हेमेन्द्र आचार्य के अध्यक्षता में लिया गया। जिसमें शिक्षा विभाग के अंतर्गत चल रहे विभिन्न गतिविधियों का स्कूल वार समीक्षा किया गया । संकुल बृजराज में कुल 11 शासकीय स्कूल का विभिन्न एजेंडा को क्रमवार रखते हुए संकुल समन्वयक सुरेंद्र चंद्राकर ने प्रगति रिपोर्ट लिया ।

पेज 9 के शेष...

राष्ट्रीय ध्वज...

सम्मान मिला है, और वे विकासपुरुषों में अग्रणी हैं। उन्होंने भारतीय सेनाओं के शौर्य को भी सराहा, जिसका श्रेय सेना के पराक्रम और 'ऑपरेशन सिंदूर' को दिया। विधायक रोहित साहू ने आगे कहा कि 'हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने का उद्देश्य लोगों के मन में राष्ट्रप्रेम जागृत करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रयास करें ताकि गाँव की गलियों से लेकर नगर के चौक-चौराहों तक तिरंगा दिखाई दे।

गंगरेल जलाशय...

नुकसान होगा अतएव शीघ्र ही महानदी मुख्य नहर से सिंचाई हेतु पानी छोड़ा जाए ताकि फसल उत्पादन में प्रभाव न पड़े। पानी छोड़ा जाना किसानो एवं प्रदेश के खुशहाली के लिए अत्यंत ही आवश्यक है।

सांसद चौधरी ने...

अधिक सरल होगा और यातायात में वृद्धि होगी।

2. कोमाखान-गरियाबंद सड़क उन्नयन (लंबाईः 74 किमी) सड़क सुधार से शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजारों तक पहुँच आसान होगी। जनजातीय अंचलों के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम- सांसद चौधरी ने कहा कि ये परियोजनाएँ केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि क्षेत्र के विकास, सुविधा और सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम हैं। इनके पूर्ण होने से न केवल यातायात व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि आर्थिक व सामाजिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

दिवस : राजापड़ाव गौरगांव क्षेत्र में निकली बाइक रैली, आदिवासी नृत्य व हुए विविध कार्यक्रम

वनांचल लाटापारा में बारिश के बावजूद उमड़ा जनसैलाब

आदिवासी समुदाय अपने हक-अधिकारों के लिए निरंतर संघर्षशील : लोकेश्वरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

राजापड़ाव क्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्राम लाटापारा हाईस्कूल प्रांगण में 9 अगस्त, शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। भारी बारिश के बावजूद हजारों लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जो इस पर्व के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ लाटापारा गाँव की कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसके माध्यम से गाँव के पेन शक्ति देवी-देवताओं को कार्यक्रम स्थल पर आमंत्रित कर स्थापित किया गया। जय अंबेडकरवादी युवा संगठन के मार्गदर्शन में एक भव्य बाइक रैली का भी आयोजन किया गया। यह रैली भूतबेड़ा बिरसामुंडा चौक से पूजा-अर्चना और माल्यार्पण करते हुए कचनाधुर्वा बजा घाटी पेंड्रा पहुँची। वहाँ भी पूजा-अर्चना के बाद जरहीडीह बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद कोकड़ी में रानी दुर्गावती चौक पर पूजा-अर्जी बिनती कर और गौरगाँव वीर नारायण सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए सैकड़ों की संख्या में बाइक रैली जय अंबेडकरवादी युवा संगठन के अध्यक्ष पतंग कुमार मरकाम, रोहन नेताम, नकुल नागेश और पुरुषोत्तम परदे के नेतृत्व में कार्यक्रम स्थल पहुँची।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों में सरपंच ग्राम पंचायत शोभा घनश्याम मरकाम, सरपंच ग्राम पंचायत कोचेगा दिनाचंद मरकाम, सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत कोकडी दैनिक मंडावी, और सर्वाधिक वास समाज के सचिव गौतम मंडावी ने भी सभा को संबोधित किया। सर्व आदिवासी समाज राजापड़ाव क्षेत्र के अध्यक्ष सुनील मरकाम ने आभार प्रदर्शन किया। पारंपरिक कला मंच द्वारा प्रस्तुत रेला पाटा और मादरी नृत्य ने उपस्थित जन समुदाय को खूब आकर्षित किया और लोग सप्रेम भेंट राशि देने से खुद को रोक नहीं पाए।

संगठित रहने और शिक्षा पर जोर

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लोकेश्वरी नेताम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समुदाय सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में मौजूद है और अपने हक-अधिकारों के लिए निरंतर संघर्षशील है। उन्होंने संगठित रहकर एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता पर जोर दिया। लोकेश्वरी नेताम ने शिक्षा के क्षेत्र में भी काम करने और अपनी पुरानी परंपराओं, रीति-रिवाजों, रहन-सहन और संस्कृति को न छोड़ने का आह्वान किया।

सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में कार्य

कार्यक्रम के विशेष अतिथि, जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा कि राजापड़ाव क्षेत्र के हजारों आदिवासी मूल निवासी लोग क्षेत्र के मुखियाओं से मार्गदर्शन लेकर अपने हक-अधिकारों के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने हर क्षेत्र में आगे आकर काम करने और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में सबल होने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

इस विहंगम कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि फूलचंद मरकाम और रमूला बाई मरकाम (जनपद सदस्य मैनपुर), अध्यक्ष सुनील मरकाम (विकास समिति के अध्यक्ष), राजापड़ाव क्षेत्र के 8 ग्राम पंचायतों के सरपंच, विकास समिति प्रमुख, तमाम झाँकर, पटेल, सियान, क्षेत्र समाज प्रमुख, गाँव प्रमुख, कर्मचारी प्रभाग, जय अंबेडकरवादी युवा संगठन के तमाम युवा साथी पदाधिकारी सहित राजापड़ाव क्षेत्र के सर्व समाज के जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में विशेष रूप से लोकेश्वरी नेताम, संजय नेताम (जिला पंचायत सदस्य गरियाबंद), फूलचंद मरकाम, रमूलाबाई नेताम (जनपद सदस्य), सुनील मरकाम (विकास समिति अध्यक्ष), घनश्याम मरकाम (सरपंच ग्राम पंचायत शोभा), दैनिक राम मंडावी (सरपंच प्रतिनिधि कोकड़ी), सरपंच चिमन नेताम, दीनाचंद मरकाम, शंकर नेताम (सरपंच ग्राम पंचायत गरहाडीह), निरबत बाई (सरपंच गोना), सरपंच ग्राम पंचायत अडगडी फूलमत बाई, सरपंच प्रतिनिधि अडगड कृष्कुमार नेताम, सरपंच भूत बेड़ा दुखिया बाई, टीकम मरकाम, पूर्व सरपंच अजय कुमार नेताम, सरपंच कोकड़ी कृष्णा बाई, रविंद्र मरकाम, कार्तिक नेताम, नरसिंह यादव, अरविंद मरकाम, खामसिह मरकाम, हरचंद नेताम, ईतवारी राम नेतिम, महेश मरकाम, बुधलाल नेताम, रमेश नेताम, परनाथ नेताम, अरविंद नेताम, महेश मरकाम, दुर्गेश नेताम, रमेश मरकाम, परनाथ नेताम, दशरथ नेताम, भानू नेताम, ईश्वर नेताम, पूरन मेश्राम, कुम्हारू नेताम, रामेश्वर धुरव, जयदेव नेताम, पालिश नेताम, मिथलेश धुरव सहित क्षेत्र के 65 ग्रामों और पाराटोला के हजारों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक हेमराज धुरव ने किया और आभार प्रदर्शन जय अंबेडकरवादी युवा संगठन के अध्यक्ष पतंग कुमार मरकाम ने किया।

एकलव्य विद्यालय में आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया

छुरा। गरियाबंद जिले के कोसमबुड़ा स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव, समस्त शिक्षकगण और विद्यार्थियों ने मिलकर आदिवासी नायकों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन में डॉ. यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व आदिवासी दिवस हमारे गौरवशाली आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और संघर्ष को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने जोर दिया कि यह दिवस हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने और भावी पीढ़ी को इन मूल्यों से परिचित कराने की प्रेरणा देता है। हिंदी के शिक्षक ललित कुमार ने विश्व आदिवासी दिवस की सार्थकता पर अपने विचार रखे, जबकि संस्कृत विषय के अध्यापक हितेश भोई ने आयोजन के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। उनके संबोधनों ने विद्यार्थियों को अपनी परंपराओं और समृद्ध विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

प्रतिभा प्रदर्शन और प्रतियोगिताएं- कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने आदिवासी संस्कृति, इतिहास और जननायकों पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया। साथ ही, विद्यालय में

अनेक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया बालकों के लिए सदन-वार क्रिकेट प्रतियोगिता, बालिकाओं के लिए खो-खो प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ, कहानी कथन, चित्रकला प्रतियोगिता इन प्रतियोगिताओं ने न केवल विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को एक मंच प्रदान किया, बल्कि उनमें खेल भावना, टीमवर्क और सांस्कृतिक गर्व की भावना को भी मजबूत किया।

सफल आयोजन और आभार- कार्यक्रम का संचालन अंकिता मौर्य ने सहज और प्रभावी ढंग से किया, जबकि समग्र संयोजन की जिम्मेदारी प्रशांत दुबे ने बखूबी निभाई। कार्यक्रम के सफल संचालन में सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समापन अवसर पर वरिष्ठ शिक्षिका सुश्री श्वेता ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय परिवार ने एक स्वर में आदिवासी गौरव, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय एकजुटता का संदेश दिया।

अखंड रामायण पाठ का पूजा व हवन के साथ हुआ समापन

रसेला। ग्राम रसेला में सुख-शांति और समृद्धि की कामना के लिए पवित्र सावन मास में परंपरा अनुसार हर दिन आयोजित किए जा रहे रामायण पाठ का समापन शुक्रवार को हुआ। इसका समापन करने के लिए शुक्रवार शाम 4 बजे से अखंड रामायण पाठ आरंभ किया गया, जो शनिवार शाम 4 बजे विधिवत पूजा-अर्चना, हवन और पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान रामायण, भोलेनाथ और हनुमान जी की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। यह कार्यक्रम समस्त ग्रामवासी और जागृति नवयुवक मंडल के सदस्यों द्वारा मिलकर आयोजित किया गया था। समापन समारोह में हवन यज्ञ और पूजन के विशेष आयोजन किए गए। रामायण पाठ में

शामिल सदस्यों ने बताया कि यह पाठ लगभग 24 घंटे चला, जिसमें लोग बदल-बदलकर भाग लेते रहे। इस प्रकार के कार्यक्रम सभी को भाईचारे और भक्ति भाव से प्रेरित करते हैं। यह आयोजन सावन के पावन महीने को ध्यान में रखते हुए किया गया था, ताकि अधिक से अधिक लोग भक्ति भाव से जुड़ सकें। इसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विशेष उत्सुकता दिखाई। हनुमान मंदिर रंगमंच प्रांगण में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से धार्मिक वातावरण और भी सुंदर हो गया था। यज्ञ को संपन्न करने वाले पुरोहितों जगतराम यादव, नंदकिशोर यादव और ओमप्रकाश यादव ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। इस मौके पर ग्राम पटेल लोकराम यादव, ग्राम प्रमुख डीआर यादव, उपसरपंच परमेश्वर यादव, धनीराम यादव, नदुदास मानिकपुरी, रामायण ठाकुर, रामूसिह नागेश, रामकुमार निषाद, वेदव्यास निषाद, नविश यादव, फगनुराम ठाकुर, सगुन दास, अशवत सेन, जनकराम ठाकुर, खेमचंद तांडी, जागृति नवयुवक मंडल अध्यक्ष भेखलाल मरकाम, उपाध्यक्ष सनत निर्मलकर, सचिव अमन यादव, कोषाध्यक्ष रोशन यादव, राघवेंद्र यादव, नरेंद्र ठाकुर, धर्मेंद्र नागेश, परमेश्वर यादव, मुकेश ओटी, अरविंद पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

मानस मंदिर में रामचरितमानस परायण का समापन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

नगर के मानस मंदिर में शिक्षक मानस परिवार और नगरवासियों द्वारा श्रावण मास में आयोजित किया जा रहा एक माह का रामचरितमानस परायण 10 अगस्त, रविवार को पूर्णिमा के दिन संपन्न होगा। इस पुनीत अनुष्ठान की पूर्णाहुति और हवन प्रातः 11:00 बजे से मानस मंदिर में आयोजित की जाएगी।

यह आयोजन प्रतिवर्ष होता है और नगरवासी धर्मप्रेमियों को इसकी बेसब्री से प्रतीक्षा रहती है। पिछले दो वर्षों से नगर की बेटियाँ भी इस अनुष्ठान में सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं, जो इस आयोजन की एक विशेष बात है। पूर्णाहुति के दिन मास परायण में शामिल शिक्षक मानस परिवार और नगरवासी पाठकगणों का नगर के विभिन्न संगठनों और संस्थाओं द्वारा सम्मान भी किया जाता है। इस आयोजन में मानस मंदिर के अध्यक्ष ओंकार शाह का विशेष संरक्षण तथा

समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन व सहयोग मिलता है। बोल बम समिति का सहयोग भी सराहनीय रहता है। मंदिर के पुजारी यज्ञेश पांडेय द्वारा विधि-विधान से पूर्णाहुति हवन और आरती कराई जाती है। इस दिन अपने-अपने घर में मानस पाठ करने वाले रामायणिकों को भी हवन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। साथ ही नगर के व्यापारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार और धार्मिक संस्थाएं भी इसमें शामिल होती हैं। पूर्णाहुति हवन की तैयारियों में शिक्षक मानस परिवार के सदस्य जोर-शोर से लगे हुए हैं, और सभी को कार्य विभाजन कर दायित्व सौंपे गए हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में कामता प्रसाद तिवारी, विनोद कुमार देवांगन, ललित कुमार वर्मा, हीरालाल साहू, मनहरण लाल पटेल, ओमप्रकाश यादव, पोषण लाल वर्मा, पुखराज ठाकुर, विमल पुरोहित, रामकुमार साहू, केशव प्रसाद साहू, घनश्याम सिन्हा, रुपेश शर्मा, रोशन शर्मा, सुधा शर्मा, सविता पटेल, भूमिका वर्मा, मोनिका साहू, कावेरी पटेल, देविका पटेल, उपेंद्र पटेल, यज्ञनारायण वर्मा, ओमप्रभा साहू, तारा महाराज, रमेश जायसवाल, गनेसुराम और अन्य कई सदस्यों का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग मिल रहा है।

फिंगेश्वर में कृषि कॉलेज की मांग विधायक रोहित को सौंपा ज्ञापन

फिंगेश्वर। भाजपा मंडल बैठक में पहुँचे राजिम विधायक रोहित साहू को फिंगेश्वर के छात्रों और युवाओं ने कृषि महाविद्यालय खोलने की पुरजोर मांग रखी। विधायक ने उनकी बातों को सुनकर आश्वासन दिया कि यदि फिंगेश्वर में पर्याप्त जगह उपलब्ध है, तो कृषि महाविद्यालय का निर्माण यहीं होगा, और उन्होंने छात्रों को भूमिपूजन की तैयारी करने को कहा। दोपहर में जैसे ही विधायक रोहित साहू भाजपा मंडल फिंगेश्वर की बैठक के लिए विश्रामगृह पहुँचे, वहाँ पहले से मौजूद छात्रों और नगर के युवाओं ने नारा लगाकर फिंगेश्वर में कृषि महाविद्यालय खोलने की मांग की। छात्रों ने कहा कि फिंगेश्वर में वर्षों से चल रहे कृषि महाविद्यालय को किसी दूसरे स्थान पर खोलने की बात से वे सहमत नहीं हैं, और यह यहीं बनना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि फिंगेश्वर में महाविद्यालय के निर्माण के लिए पर्याप्त जगह है, इसके बावजूद कृषि महाविद्यालय के डीन ने जगह को अनुपयुक्त बताया, जो सरासर गलत है। छात्रों ने जोर देकर कहा कि वे चाहते हैं कि कृषि महाविद्यालय फिंगेश्वर में ही बने, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो सके।

विधायक का आश्वासन- छात्रों और युवाओं की बातों को सुनकर विधायक रोहित साहू ने बताया कि उनके द्वारा कृषि महाविद्यालय के निर्माण के लिए विधानसभा में मांग रखी गई थी, और वह मांग पूरी भी हो गई है। हालांकि, स्थान नहीं होने की जानकारी के चलते यह प्रकरण पेंडिंग में था। उन्होंने छात्रों को विधानसभा में की गई मांग का वीडियो भी सुनाया। विधायक ने आगे कहा, /"यदि फिंगेश्वर में कॉलेज के लायक जगह है, तो निश्चित ही मानकर चलिए इसका निर्माण फिंगेश्वर में ही होगा। आप सभी भूमिपूजन की तैयारी करें।/" उन्होंने स्पष्ट किया कि कॉलेज को लेकर कुछ लोगों द्वारा भ्रम की स्थिति ला दी गई थी, और जब जानकारी मिली कि फिंगेश्वर में जगह अनुपयुक्त है, तो किरवई की जमीन की नाप कराई गई थी। विधायक ने दोहराया कि फिंगेश्वर में पर्याप्त जमीन है, तो अब छात्र सीधे भूमिपूजन की तैयारी करें।

आंदोलन की चेतावनी और खुशी का माहौल- विधायक के आश्वासन के बाद छात्रों ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह कॉलेज छात्र-छात्राओं के भविष्य को उज्जवल करेगा, और यदि ऐसा नहीं होगा तो वे सभी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता भागवत हरित और रामूराम साहू ने भी कॉलेज को फिंगेश्वर में खोलने की मांग की। विधायक रोहित साहू की प्रेम सौहार्दपूर्ण बातों और आश्वासन के बाद उपस्थित सभी लोगों ने हर्ष महसूस किया, वहीं छात्रों ने रोहित साहू जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर मुकेश साहू, मनोज सोनवानी, युवराज सिन्हा सहित दर्जनों स्कूली छात्र-छात्राएँ एवं नगर के युवा, पत्रकारगण और कार्यशाला में पहुँचे भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संतोष डॉक्टरेड की उपाधि से सम्मानित

राजिम। जिले के शासकीय प्राथमिक शाला देवरी के प्रधानपाठक संतोष साहू प्रकृति को शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण, समाजसेवा, नवाचार, साहित्य, सांस्कृतिक और कला आदि क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान और शोध कार्य के लिए पीएचडी समतुल्य मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें पारस ग्रुप ऑफ एजुकेशन के सभागार में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में प्रदान किया गया। संतोष साहू प्रकृति पूर्व में भी कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं, जिनमें गजानंद माधव मुक्तिबोध शिक्षक सम्मान, राज्यपाल पुरस्कार सम्मान और मुख्यमंत्री गौरव अलंकार शिक्षादूत सम्मान (छत्तीसगढ़ शासन द्वारा) शामिल हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने और उनकी पत्नी ने मरणोपरांत अपना देहदान रायपुर मेडिकल कॉलेज को करने की घोषणा की है। जानकारी के मुताबिक, उन्हें हरियाणा के एम.बी.आर. म्यूजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी द्वारा यह मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एस.सी.ई.आर.टी) रायपुर, छत्तीसगढ़ के स्कूल लीडरशिप एकेडमी के नोडल अधिकारी डी. दर्शन, छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के प्रांत अध्यक्ष डॉक्टर उदयभान सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ लोककला के संवाहक पुरुषोत्तम चंद्राकर और लाइव वर्सिटी के संपादक तथा हालिस्टिक हेल्थ कोच डॉक्टर नरेंद्र पांडेय उपस्थित रहे। राजिम के बेलटुकरी गाँव के रहने वाले संतोष साहू प्रकृति को यह डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त होने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी है।

रक्षाबंधन पर भाई-बहन ने बांधी सुरक्षा की डोर

कोपरा। अंचल में शनिवार को रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा की डोर बांधी, और भाइयों ने भी अपनी बहनों को हमेशा सुरक्षा देने का वचन दिया। यह त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक बना।

खबर संक्षेप

आहार की अनियमितता से रोग बढ़ रहे

महासमुंद। निरोगधाम योग नेचुरोपैथी वैलनेस ग्राम बीके बाहरा विक्रम लाल साहू ने कहा कि आधुनिक समय में आहार -विहार की विकृति/अनियमितता के कारण लोग शारीरिक व मानसिक व्यधियों से ग्रस्त हो ही जाते हैं। पेट /आंतो का साफ नहीं होना सामान्य हो गया है, जिसकी स्थायी उपचार की सुविधा नेचुरौपैथी को छोड़कर किसी भी पैथी में उपलब्ध नहीं है। शारीरिक व्याधियों के उपचार के लिये जहरीले सिंथेटिक- दवाओं का सहारा लेना मजबूरी हो जाता है किंतु उससे व्याधियां कुछ समय के लिये दब जाती है,जड़ से समूल नष्ट कभी नहीं होती, उसके साइड इफेक्ट से नई बीमारियां पैदा हो जाती है। उन्होंने कहा कि लोग सुविधानुसार किसी भी नेचुरौपैथी वैलनेस में जाकर जहां सुविधा उपलब्ध हो, वहां जाकर शरीर-शोधन शिविर /दो -दिवसीय शंख -प्रच्छालन शिविर अथवा एक -दिवसीय कौलन-हाइड्रोथैरेपी/वस्ती का लाभ ले सकते हैं।

युवाओं को मिलेगा निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण

महासमुंद। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत युवाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से नव्या योजना शुरू की गई है। इस योजना का लक्ष्य देश में कौशल विकास को बढ़ावा देना और युवाओं को विभिन्न उद्योगों में रोजगार के अवसर दिलाना है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास टिकवेंद्र जटवार ने बताया कि नव्या योजना को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से शुरू किया गया है। महासमुंद जिले में इस योजना का प्रशिक्षण जन शिक्षण संस्थान, स्टेशन रोड, गुरुद्वारा के सामने स्थित केंद्र में दिया जा रहा है। इसके लिए बेरोजगार युवा, स्कूल या कॉलेज छोड़ चुके 16 से 18 वर्ष आयु के व्यक्ति पात्र होंगे। प्रशिक्षण विभिन्न क्षेत्रों में दिया जा रहा है। जिसमें प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट, जूट एवं एम्ब्रॉडरी एवं अन्य रोजगारोन्मुख कौशल शामिल है। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है।

घरों में ध्वज फहराने के लिए किया प्रोत्साहित

महासमुंद। ग्राम खरोरा में हर घर तिरंगा अभियान के तहत, लोगों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। गायत्री चंद्राकर ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह अभियान, आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता-दिवस मनाया जाता है।

मछली पालन के लिए 13 तक आवेदन मंगाए

महासमुंद। जनपद पंचायत बागबाहरा के अधीनस्थ सोनदादर जलाशय को मछली पालन कार्य के लिए 10 वर्षीय पट्टे पर दिए जाने आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बागबाहरा ने बताया कि पट्टा आंबटन प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी, जिसमें पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति एवं मछुआ समूहों, अनुसूचित जनजाति अधिसूचित क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति वर्ग की पंजीकृत मत्स्य सहकारी समितियों एवं मछुआ समूहों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसी तरह सामान्य क्षेत्र में धीवर, ढीमर, निषाद, केंवट, कहार, कहरा, मल्लाह आदि के स्व सहायता समूहों को, अनुसूचित जनजाति अधिसूचित क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्व सहायता समूहों एवं छत्तीसगढ़ राज्य सहायता समूहों को तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित महिला स्व सहायता समूहों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। इसी प्रकार ऐसे मछुआ व्यक्ति जिन्हें डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर मछली पालन का प्रशिक्षण प्राप्त हो। बेरोजगार युवा जो मछली पालन में रुचि रखते हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे क्षेत्र जहां वर्ष 1965 या उसके पश्चात मकान, भूमि आदि डूब में आने के कारण कोई परिवार विस्थापित हो गए हों, उन व्यक्तियों, परिवारों या उनके समूह, समिति को संबंधित जलक्षेत्र में पट्टे पर प्राथमिकता दी जाएगी।

पर्व : सामाजिक एकता का दिया संदेश, मुंह मीठा कराकर कलाई में राखी बांधी

धूमधाम से मनाया भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन, बाजारों में रही रौनक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

रक्षाबंधन का पर्व पूर्णिमा के दिन समूचे क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही भाई-बहनों में इस त्योहार को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई सजाने के लिए राखी की सजी दुकानों पर पहुँचकर एक से बढ़कर एक मनपसंद राखियाँ खरीदीं। थाल सजाकर, भाइयों को गुलाल और चावल का टीका लगाकर, श्रीफल भेंटकर आरती उतारी गई और मुँह मीठा कराकर कलाई में राखी बांधी गई। कई बहनें अपने भाइयों के घर जाकर राखी बांधती रहीं, तो वहीं अनेक जगहों पर भाई स्वयं बहनों के घर पहुँचे। रक्षाबंधन की यह परंपरा इस बार मानो खुशियाँ लेकर आई थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्सव

खुशियों के माहौल में मनाए गए रक्षाबंधन पर्व के दौरान यात्री गाड़ियाँ भी खचाखच भरकर चलती रहीं, जिनसे कहीं भाइयों को उतरते देखा गया तो कहीं बहनों को। ग्रामीण क्षेत्र में रक्षाबंधन पर्व को लेकर खेती-किसानी का काम एक तरह से रुका रहा। गाँवों में बहनें पड़ोसियों के यहाँ जाकर भी मुँहबोले भाइयों को राखी बांधती रहीं, वहीं भाई भी पड़ोस में पहुँचकर मुँहबोली बहनों से राखियाँ बंधवाते रहे।

सड़कों पर दिखी चहल-पहल

पूरा दिन सड़कों पर सैकड़ों की संख्या में दोपहिया वाहनों पर बहन और भाई आते-जाते दिखाई दिए। अमीर से लेकर गरीब तबके के लोगों ने भी भाई-बहन के इस अटूट रिश्ते के पर्व को बहुत ही धूमधाम से मनाया। राखी खरीदने में बहनों ने किसी भी प्रकार की कंजूसी नहीं दिखाई। दुकानदारों ने बताया कि जितनी भी युवतियाँ और महिलाएँ आईं, सभी ने महँगी से महँगी राखियों की मांग की और पैसे की परवाह किसी ने नहीं की। बाजार में नई डिजाइन और एक से एक वैरायटी की फैंसी राखियाँ उपलब्ध थीं।

मिठाइयों और उपहारों का बाजार

होली और दीपावली की तरह ही होटलों की मिठाइयाँ भी एक ही दिन में खत्म हो गईं। अधिकतर बहनों ने रेडीमेड मिठाई के डिब्बे डेलीनिड्स से खरीदे। भाइयों ने भी बहनों के लिए उनके मनपसंद उपहार खरीदते हुए गिफ्ट कॉर्नरों और कपड़ों की दुकानों पर भीड़ लगाई। शादीशुदा बहनों के लिए कई ऐसे भाई भी थे, जो ज्वेलरी शॉप पहुँचकर कीमती उपहार भेंट करते देखे गए।

राजिम के विद्यार्थियों ने भेजीं 1 हजार राखियां

राजिम। भाई-बहन के अटूट प्रेम और देशभक्ति की भावना का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व इस बार शासकीय रामबिशाल पाण्डेय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में एक विशेष रूप में मनाया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने नन्हे हाथों से 1000 हस्तनिर्मित ईको-फ्रेंडली राखियां तैयार कर आर्मी जवानों को भेजीं, साथ ही शुभकामना संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सीडबॉल भी प्रेषित किए। कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर पुलिसकर्मियों को भी राखी बांधकर उनके समर्पण और सेवा भाव के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस प्रेरणादायी आयोजन में मार्गदर्शन व्याख्याता समीक्षा गायकवाड़ का रहा। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष साइंस क्लब सदस्य और विद्यार्थी इको-फ्रेंडली राखियां बनाकर वीर सैनिकों को भेजते हैं। इस वर्ष जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर के निर्देशन में पूरे जिले में एक राखी सैनिक भाई के नाम अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत वीर सपूतों के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करने के लिए यह पहल की गई। इस अवसर पर 27 सीजी बटालियन के सुबेदार गजेंद्र सिंह विद्यालय पहुंचे, जहां छात्राओं ने उन्हें राखी बांधकर सेना के जवानों के लिए भेजी जाने वाली राखियां सौंपीं। कार्यक्रम में छात्राओं ने विद्यालय के प्राचार्य संजय एक्का, शासकीय राजीव लोचन महाविद्यालय के कैप्टन दुष्यंत ध्रुवा, एनसीसी अधिकारी सागर शर्मा को रक्षासूत्र बांधकर सीडबॉल भेंट किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद विद्यार्थी राजिम थाना पहुंचे, जहां पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर देश-प्रदेश की सुरक्षा में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। टीआई अमृतलाल साहू ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस आयोजन में व्याख्याता मधु गुप्ता, पूजा मिश्रा, शिखा महाड़िक, नीता यादव, सरिता साहू, पुनेश्वर बाघमार सहित छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम और देशभक्ति की भावना के साथ रक्षाबंधन पर्व को हर्षोल्लास से मनाया।

रक्षाबंधन का पर्व व्यसन एवं आंतरिक मनोविकारों से रक्षा करना सीखाता है

मुड़ागांव (कोरासी)। शनिवार को रक्षाबंधन का पावन पर्व क्षेत्र में हर्षोल्लास पूर्ण माहौल में मनाया गया। भाई-बहन के स्नेह के प्रतीक इस पवित्र त्यौहार पर सुबह से ही बहनों में उत्साह दिखाई दे रहा था। क्षेत्र के आध्यात्मिक संस्थान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा खड़मा के ओम शांति भवन में प्रातः 6:00 बजे से ही लोगों का आना शुरू हो गया था। सेवाकेंद्र की ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी ब्रह्मावतसों के साथ-साथ ग्राम एवं क्षेत्र के युवा और वरिष्ठ भाई-बहनों की कलाइयों में रक्षासूत्र बांधा। उन्होंने सभी का मुख मीठा कराते हुए मनोविकारों पर विजय प्राप्त कर जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने और सुख-समृद्धि की शुभकामनाएं व्यक्त कीं। सेवा केंद्र प्रभारी अंशु दीदी ने अपने दिव्य संदेश में कहा कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व, हमें पवित्रता की शक्ति से व्यसन-विकारों एवं आंतरिक मनोविकारों से रक्षा करना सीखाता है। उन्होंने बताया कि पवित्रता के सागर शिव परमात्मा हम आत्माओं को पवित्रता के बंधन में बांधकर नई सतयुगी सृष्टि का सृजन कर रहे हैं। अंशु दीदी ने कहा कि समय बहुत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और चारों तरफ महाविनाश के आसार दिखाई दे रहे हैं। ऐसे समय पर परमात्मा की याद में रहकर, सर्व गुणों से सुसज्जित होकर पावनता की राखी बांधनी और बंधवानी है। यह हमारे सनातन दैवीय संस्कृति के पुनरुत्थान का समय है। ब्रह्माकुमारी चंद्रिका बहन ने तिलक लगाए, जबकि अंशु दीदी ने सभी की कलाइयों में परमात्म स्नेह की डोर और निश्छल प्रेम का प्रतीक राखी बांधकर आशीर्वाद प्रदान किए।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति- इस अवसर पर जनपद सदस्य अवध राम साहू, ग्राम प्रमुख लक्ष्मीदास सोनवानी, ग्राम सरपंच जगबाई ध्रुव, त्रिलोचन साहू, प्रमोद शर्मा, सियाराम सिंहा, प्रकाश सिंहा, नारायण लाल निषाद, पूर्व जनपद सदस्य नीलकंठ सिंह ठाकुर, अगहन सिंह ठाकुर, यादराम साहू, तेजराम ध्रुव, पंच गण केशरी बाई ध्रुव, हीरमत बाई, गोविंद सिंग यादव, सज्जन सिंह, भोजराम ठाकुर, ओमप्रकाश साहू, रामजी दीवान, डुमेश्वर नंदे, लवण साहू, सोमनाथ साहू, हेमलाल यादव सहित ब्रह्माकुमारीज़ गीता पाठशाला कनेसर, करचाली, रामनपुर, गायदबरी, पिपरछेड़ी, मेडली सहित छुरा, कोरासी, खड़मा की माताएं और बहनें बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

अंचल में धुमधाम से मना रक्षाबंधन

कोपरा। अंचल सहित में भाई-बहन के प्यार का पर्व रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया। पर्व को लेकर भाई बहनो में काफी उत्साह देखा गया।तथा त्योहार के एक दिन पूर्व ही रक्षाबंधन के लिए बहनो ने रंग बिरंगी राखियां, मिठाईयां और भाईयों ने बहनो के लिए गिफ्ट की खरीदारी कर ली थी।वही रक्षाबंधन को बहनो ने विधि विधान से भाईयों का तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधते हुए मंगलकामनाएं की एवं सुबह से पर्व को लेकर चहल पहल देखने को मिला।बहने अपने ससुराल से भाईयों को राखी बांधने मायके पहुंची। ग्रामीण अंचलों में संयुक्त परिवार में बहने एक जगह एकत्र होकर भाईयों को राखी बांधी और भाईयों ने बहनो को उपहार देकर प्रसन्न किया। तथा हर तरफ रक्षाबंधन का उत्साह झलका। रक्षाबंधन त्योहार को लेकर बाजार एवं मिठाई दुकानों में देर शाम तक भीड़ दिखाई दी।

रक्षाबंधन पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधा रक्षासूत्र, दिया सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

मुड़ागांव (कोरासी)। रक्षाबंधन के एक दिन पूर्व, ब्रह्मकुमारीज सेवाकेंद्र खड़मा की ब्रह्माकुमारी बहनों ने प्रशासनिक अधिकारियों को रक्षा सूत्र बाँधकर और तिलक लगाकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि यह पर्व प्रेम और सेवा की भावना बढ़ाता है। ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी और बी के चंद्रिका बहन ने खड़मा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों और कार्यालयीन कर्मचारियों के माथे पर तिलक लगाया। उन्होंने उनकी कलाइयों में रक्षा सूत्र बाँधकर परमात्मा से सुख-समृद्धि और सबकी रक्षा करने का संकल्प लेने का आशीर्वाद दिया। ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने इस अवसर पर कहा कि रक्षाबंधन सिर्फ धागे का बंधन नहीं है, यह आत्मिक संबंध और नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

उन्होंने समझाया कि मानव मन में सात्विक और तामसिक दोनों प्रकार की प्रवृत्तियाँ होती हैं, जिनके वशीभूत होकर कर्म करने से सुख व दुख का अनुभव होता है। उन्होंने इस पावन अवसर पर अपनी एक कमी, जैसे क्रोध आदि, को उपहार में देने का आह्वान किया, जिससे समाज में शांति और भाईचारा कायम रह सके।

इस मौके पर निरीक्षण में आए चिकित्सा अधिकारी भावेश पटेल ने भी ब्रह्माकुमारी बहनों से रक्षासूत्र बंधवाया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करता है और यह समाज में प्रेम, त्याग और सेवा की भावना को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों का संदेश सिर्फ उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है। इस अवसर पर सभी संस्थानों के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ पूर्व मंडल अध्यक्ष अगहन सिंह ठाकुर, गोविंद यादव, डुमेश्वर नंदे और गांव के अन्य वरिष्ठ जन भी उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर बंधा प्रेम अटूट धागा

मैनपुर। मैनपुर क्षेत्र में आज रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने पारंपरिक रीति–रिवाजों के अनुसार अपने भाई के मस्तक पर तिलक लगाकर भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और आरती उतारी और उनके मंगलमय जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर सदैव उनकी रक्षा करने का वचन दिया, इस अवसर पर घर–घर में मिठाइयाँ बाँटी ।गईं और आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया गया। रक्षाबंधन का यह पर्व न केवल भाई–बहन के रिश्ते को मजबूत करता है, बल्कि समाज में स्नेह और एकता की भावना को भी प्रोत्साहित करता है, भाई–बहन का रिश्ता दुनिया के सबसे पवित्र रिश्तों में से एक है, और रक्षाबंधन इस बंधन को और भी मजबूत करने का पर्व है। रंग–बिरंगी राखियों, मिठाइयों की मिठास और हँसी–खुशी के पलों से सजे इस दिन में हर चेहरे पर प्रेम और अपनापन झलक रहा था।

खुटेरी में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

छुईहा बेलर। ग्राम खुटेरी में रक्षाबंधन का पर्व शनिवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया। खुटेरी की संध्या साहू और निन्नी साहू ने अपने भाई जिस्सू, यसु, जस्सू और नमन साहू को रक्षाबंधन के अवसर पर शुभ योग मुहूर्त में राखी बांधी। इस पावन त्योहार को भाई-बहन ने हर्षोल्लास से मनाया, जहां संध्या ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और भाइयों ने बदले में बहनों को उपहार दिए। यह आयोजन भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक बन गया।

भद्रा का कोई प्रभाव नहीं, दिन भर चलता रहा राखी बांधने का सिलसिला

राजिम। इस बार रक्षाबंधन पर्व पर विशेष शुभ मुहूर्त रहा, क्योंकि भद्रा का कोई भी प्रभाव नहीं था, जिससे बहनों ने पूरे दिन अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। श्रावण पूर्णिमा पर श्रवण नक्षत्र, सर्वार्थसिद्धि योग और सौभाग्य योग जैसे शुभ योगों का अद्भुत संयोग बना, जिसने पर्व की शुभता को और बढ़ा दिया। रक्षाबंधन को लेकर बहनों के चेहरों पर एक अलग ही चमक और उत्साह नजर आया।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी

पाटसिवनी(पिपरहट्टा)। शनिवार को ग्राम पिपरहट्टा मे रक्षाबंधन के अवसर पर भाई बहनों के स्नेह का प्रतीक रक्षा बंधन का पवित्र पर्व परंपरागत तरीके से मनाया गया। माथे पर तिलक और मुंह मीठा करा कर बहनों ने अपने भाई की कलाई पर प्रेम का सूत्र बांधा और भाई से अपनी रक्षा का वचन लिया। इस अवसर पर भाइयों नें भी बहन की रक्षा का वचन देते हुए बहनों को विविध उपहार प्रदान किए।

व्रत तोड़ने के लिए साल में एक दिन होता है पसहर चावल का उपयोग

कमरछठ की तैयारी जोरों पर, पसहर चावल की कीमत बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

भादो मास के कृष्ण पक्ष की छठी तिथि पर मनाया जाने वाला हलषष्ठी पर्व, जिसे क्षेत्र में कमरछट के नाम से भी जाना जाता है, इस वर्ष 14 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन महिलाएं हलषष्ठी माता की पूजा कर परिवार की खुशहाली और संतान की लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस पर्व के लिए बाजारों में अब पसहर चावल मिलना शुरू हो गए हैं, लेकिन इस बार इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। हलषष्ठी माता की पूजा-अर्चना में बिना हल जोते उगने वाले पसहर चावल और छह प्रकार की सब्जियों का भोग लगाने का विधान है। इसके साथ ही भैंस के दूध, दही, घी के साथ चना, लाई, महुआ, उड़द, गेहूं, कुलथी का भी भोग लगाया जाता है। यह पर्व क्षेत्र में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, और इस दिन

महिलाएं पसहर चावल का सेवन करती हैं। पसहर चावल की कीमतें इस बार डेढ़ सौ रुपये से लेकर ढाई सौ रुपये प्रति किलो तक पहुँच गई हैं। इन चावलों की कीमत अधिक होने का कारण यह है कि इन्हें जंगल, झाड़ियों, डबरीनुमा खाली जगहों और मेड़ या अन्य जगहों से बड़ी मेहनत से जुटाया जाता है। यह व्रत इस चावल के बिना अधूरा माना जाता है।

स्वर्गीय भागो बाई ठाकुर की याद

ग्राम रसेला की स्वर्गीय भागो बाई ठाकुर पहले बहुत मेहनत से इस चावल को इकट्ठा कर कमरछट के दिन व्रत रखने वाली महिलाओं को बेचती थीं और बाजार में भी इसका विक्रय करती थीं। उनके न होने पर आज भी महिलाएं उन्हें याद कर रही हैं और पसहर चावल के लिए उन्हें बाजार पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

योगाचार्य मिथिलेश को सुभाष चंद्र बोस आइकॉन अवॉर्ड 2025 से नवाजा गया

छुरा। नगर के वरिष्ठ योगाचार्य मिथिलेश कुमार सिन्हा को नीति आयोग, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार से सम्बद्ध जीवन जागृति संस्थान प्रयागराज द्वारा प्रतिष्ठित सुभाष चंद्र बोस आइकॉन अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान योग, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट और निस्वार्थ योगदान के लिए दिया गया है। मिथलेश कुमार सिन्हा 2014 से लगातार निःशुल्क योग कक्षाएं, योग शिविर और विभिन्न जागरूकता रैलियाँ (जैसे व्यसन मुक्ति अभियान, पर्यावरण जागरूकता) आयोजित कर रहे हैं। स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक जागृति के प्रति उनका समर्पण और सेवाभाव सराहनीय रहा है। जीवन जागृति संस्थान के संस्थापक एवं निदेशक प्रदीप कुमार शर्मा ने योगाचार्य सिन्हा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस उपलब्धि पर उन्हें नगरवासियों, इष्ट मित्रों और विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई दी है, जिनमें गोविंदा नेताम, होरीलाल साहू, समाजसेवी शीतल ध्रुव, पुनीत ठाकुर, लक्ष्मीकांत, शंकर सचदेव, कृष्णा यादव, हेमंत सिन्हा, महेंद्र द्विवेदी, मनीष शारडा, कौशल साहू, महेश यादव और निगेश्वर वैष्णव प्रमुख हैं। इससे पूर्व भी, 2015 में दलित साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ कलार समाज और कलार समाज परिक्षेत्र द्वारा योगाचार्य मिथिलेश कुमार सिन्हा को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

खबर संक्षेप

श्रद्धा ने ली एबीवीपी की सदस्यता

मैनपुर। दिल्ली यूनिवर्सिटी के इंद्रप्रस्थ कॉलेज की अध्यक्ष अद्वैतषा उपाध्यक्ष दिशा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की गमछा पहनाकर कर तिलक लगाकर स्वागत कर सदस्यता दिलाई दिल्ली यूनिवर्सिटी इंद्रप्रस्थ कॉलेज की बीए प्रथम वर्ष की छात्र श्रद्धा कुशवाहा मैनपुर पत्रकार एवं भाजपा सक्रिय कार्यकर्ता मोहन कुशवाहा की बेटी है सदस्यता दिलाने के बाद अद्वैतषा ने बताया छात्र संगठन जो 1949 में स्थापित किया गया था यह भारत का सबसे बड़ा छात्र संगठन माना जाता है एबीवीपी का मुख्य उद्देश्य छात्रें के अधिकारों और हितों की रक्षा करना और छात्रों के बीच सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा देना एबीवीपी की स्थापना छात्र हित और छात्रों को उचित दिशा देने के लिए की गई है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है विद्यार्थी परिषद के अनुसार छात्र शक्ति ही राष्ट्र शक्ति होती है एबीपी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक छात्र शाखा है जो एक दक्षिणपंथी हिंदुत्ववादी अर्धसैनिक संगठन है, सदस्यता लेने के बाद श्रद्धा कुशवाहा ने कहा की विद्यार्थी परिषद एक ऐसी छात्र शक्ति की रचना में विश्वास रखता है जो देश के निर्माण के लिए अपना योगदान सुनिश्चित कर सके।

शिवालयों में श्रावणी पूजा की हुई पूर्णाहुति

महासमुंद। सावन मास पर शिवालयों में एक माह तक चले श्रावणी पूजा की रक्षाबंधन सावन पूर्णिमा के दिन अभिषेक, हवन, पूजन के साथ पूर्णाहुति हुई। आसपास के प्रसिद्ध शिवालयों में मंदिर समिति व जजमानों द्वारा अभिषेक हवन किया गया। बम्हनी में बम्हनेश्वर महादेव मंदिर तथा सिरपुर के गंधेश्वर महादेव मंदिर में सुबह 10 बजे से पूर्णाहुति का अभिषेक हवन हुआ। 7 किलो दूध से महादेव का दुग्धाभिषेक किया गया। पश्चात हवन पूजन में श्रद्धालुओं ने भाग लेते हुए पूर्णाहुति का सांखला अर्पित किया।

समस्या : पैदल यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को सड़क पार करने में हुई परेशानी

राजिम में रक्षाबंधन पर चरमराई यातायात व्यवस्था, शिवाजी चौक पर लगा घंटों जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थ स्थल और व्यापारिक केंद्र राजिम में शनिवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर राजिम-फिंगेश्वर मार्ग स्थित शिवाजी चौक पर भारी भीड़ और अव्यवस्थित यातायात ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। सुबह से लेकर देर रात तक इस मार्ग पर लोगों और वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रही, जिसके चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शिवाजी चौक, जो एक तिराहा जंक्शन है, यहां की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक रही। तीन प्रमुख सड़कों का मिलन होने के कारण वाहनों और पैदल यात्रियों की भीड़ ने जाम की स्थिति को और गंभीर बना दिया। रक्षाबंधन के पर्व पर बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़ और राखी बांधने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने वाले लोगों की संख्या ने इस मार्ग पर दबाव काफी बढ़ा दिया था। कई बार तो वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में घंटों लग गए।

स्थायी समस्या और प्रशासन की कमी

स्थानीय निवासियों और दुकानदारों ने बताया कि हर साल तीज त्योहारों के दौरान इस चौक पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है, लेकिन इस बार रक्षाबंधन के मौके पर स्थिति असामान्य रूप से खराब थी। चौक पर यातायात पुलिस की मौजूदगी न के बराबर थी, जिसके कारण वाहनों का प्रबंधन और भी मुश्किल हो गया। पैदल यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को सड़क पार करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

भविष्य के लिए सुझाव

स्थानीय लोगों ने जिला कलेक्टर और एसपी गरियाबंद से मांग की है कि भविष्य में त्योहारों और विशेष अवसरों पर यातायात प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। सुझावों में ट्रैफिक सिग्नल की स्थापना, यातायात पुलिस की पर्याप्त तैनाती, और वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था भी शामिल है।

अन्य कारण और जनभागीदारी का अभाव

बाजार में खासी रौनक देखी गई, जहाँ राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जिसने यातायात की स्थिति को और जटिल बना दिया। दुकानदारों ने भी यातायात की अव्यवस्था के कारण माल की आपूर्ति में देरी की शिकायत की। राजिम में सड़क चौड़ीकरण और पार्किंग सुविधाओं के अभाव** में भीड़ भरे माहौल में जाम होना अब एक साधारण बात हो गई है। कमोबेश राजिम से गरियाबंद मार्ग और पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक से रायपुर मार्ग पर अव्यवस्थित यातायात का सामना लोगों को रोज करना पड़ता है। ऊपर से लावारिस मवेशी, दुकानदारों द्वारा दुकान के सामने फैलाकर रखे गए सामान, रास्ते भर फल-फ्रूट के ठेले और अव्यवस्थित तरीके से खड़ी गाड़ियाँ भी रुकावटें पैदा करती हैं। पुराना नल टंकी हटरी के पास तो रोज जाम होना स्वाभाविक है, और यदि यहां की व्यवस्था को शीघ्र नहीं सुधारा गया तो किसी भी दिन बड़ी घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

रसेला सहित क्षेत्र में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर रक्षा का संकल्प लिया। सुबह से ही बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने का सिलसिला जारी रहा जो शाम रात तक चलता रहा। बहनों से कलाई पर राखी बंधवाई, बहनों ने राखी की थाली सजाई उसमें रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक और राखी रखे थे, बहना श्रद्धा, उमंग, साक्षी, प्रियंका,रिया ने भाई परमेश्वर, विनय, निखिल, निलेश, आर्यन, राहुल को तिलक लगाकर उसके दाहिने हाथ में राखी बांधी। इन सभी भाइयों का आरती उतारी फिर मिठाई खिलाई अपनी सुरक्षा और सम्मान की कामना के साथ भाई के लिए ईश्वर से सुख शांति समृद्धि और दीर्घायु हेतु कामनाएं की। वहीं भाई लोगो ने भेट स्वरूप विभिन्न प्रकार के उपहार

बहनों को दिया। क्षेत्र में राखी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन का त्योहार भाई बहन के प्रेम और बंधन का प्रतीक है। अधिकतर महिलाओं और युवतियों ने अपने भाई की कलाई के लिए शुक्रवार को ही राखियां खरीद ली थी। फिर भी शनिवार को राखियों की दुकानों पर भीड़ देखने को मिली। जो महिलाएं नये शादी होकर आए हैं वो अपने भाई को राखी बांधने अपने पति के साथ अपने भाई के घर पहुंचे। इस साल रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं था इसलिए पूरे दिन राखी बांधने के लिए शुभ माना गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रक्षाबंधन के दिन बहन को ही राखी बांधने भाई के घर जाना चाहिए। यह नियम खासकर शादीशुदा बहन के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। हालांकि वर्तमान समय में कुछ विपरीत परिस्थितियों में भाई भी बहन के घर राखी बंधवाने चले जाते हैं लेकिन इसे शास्त्रों के अनुसार सही नहीं माना जाता है। रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है, जो परिवार और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। इसलिए इस दिन समय का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है ताकि रिश्तो की मिठास बनी रहे। यह त्योहार भाई बहन के रिश्ते में हमेशा प्यार और अपनापन बढ़ाने वाला सबसे खास अवसर होता है।

मुड़ागांव में धूमधाम से मना रक्षाबंधन का पर्व

मुड़ागांव (कोरासी)। अंचल में भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व शनिवार, 9 अगस्त को बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। सावन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाए जाने वाले इस त्योहार ने नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनी छटा बिखेरी। परंपरा अनुसार, बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार दिए और जीवनभर उनकी रक्षा करने का वचन दोहराया। इस त्योहार की पुरानी परंपराएं और इसके पीछे जुड़ी लोककथाएं इस दिन को और भी विशेष बनाती हैं। रक्षाबंधन के पूजन में रक्षाबंधन की थाली का विशेष महत्व होता है। इस

वर्ष भी बहनों ने आरती और टीका करने के लिए सभी आवश्यक सामग्री जैसे रोली, चावल, दीपक और मिठाई से अपनी थालियों को सजाया था। इसी थाली का उपयोग कर बहनों ने भाइयों की आरती उतारी और स्नेहपूर्वक उनकी कलाई पर राखी बांधी, जिससे त्योहार का पारंपरिक और भावनात्मक महत्व जीवंत हो उठा। बारिश के मौसम में यह पर्व खुशियों और पारिवारिक एकजुटता का संदेश लेकर आया।

छुरा के सेंट जॉन्स स्कूल में राखी निर्माण स्पर्धा का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर, सेंट जॉन्स इंग्लिश मीडियम सीबीएसई स्कूल में शुक्रवार को एक भव्य राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों के उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। छात्रों ने रंग-बिरंगे मोतियों, चमकीली सजावट सामग्री, रिबन, फूल और पर्यावरण हितैषी वस्तुओं का उपयोग कर बेहद सुंदर और आकर्षक राखियाँ तैयार कीं। कई प्रतिभागियों ने अपनी राखियों के माध्यम से रचनात्मकता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, भाई-बहन का स्नेह, और राष्ट्रीय एकता जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी दिए।

मूल्यांकन और प्रेरणा

निर्णायक मंडल ने प्रत्येक राखी का मूल्यांकन डिज़ाइन, स्वच्छता, रचनात्मकता और विषय की प्रासंगिकता के आधार पर किया। बच्चों की मेहनत और कल्पनाशीलता देखकर सभी प्रभावित हुए। विद्यालय की प्राचार्य बिंदु जॉर्ज जेकब ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि हमारी भारतीय संस्कृति और परंपराओं को भी जीवंत रखते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और विजेताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में, विजयी प्रतिभागियों को विद्यालय के निर्देशक जॉर्ज जेकब ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

प्रमुख विजेता इस प्रकार रहे

संस्था में प्रथम स्थान झांसी साहू (कक्षा नवमी, राधाकृष्णन हाउस), द्वितीय स्थान वर्षा यादव (कक्षा दसवीं, राधाकृष्णन हाउस) और जिया दीवान (कक्षा छठवीं, टेरेसा हाउस), तृतीय स्थान वंशिका पटेल (कक्षा पांचवीं, टेरेसा हाउस)

कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता

प्रथम स्थान श्रवण निषाद (कक्षा नवमी, राधाकृष्णन हाउस), द्वितीय स्थान शुभ और हिमांशु (कक्षा पांचवीं) तृतीय स्थान आशुतोष डड़सेना (कक्षा पांचवीं, टैगोर हाउस) सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन हेतु भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। रक्षाबंधन की इस रंगीन और स्नेहमयी झलक ने पूरे विद्यालय परिसर को प्रसन्न कर दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भगवा ध्वज को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन उत्सव

नवापारा-राजिम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की श्रीराम प्रभात शाखा में शनिवार को रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने भाई-बहन के अटूट प्रेम के इस पर्व को एक अनूठे तरीके से मनाया, जहाँ उन्होंने परम पवित्र भगवा ध्वज को रक्षा सूत्र बांधा। इसके बाद स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे को भी रक्षासूत्र बांधा और रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देशभर में रक्षाबंधन के दिन अपने समाज के दुर्बल और वंचित वर्गों के बंधु-भगिनियों के बीच जाता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए, नवापारा-राजिम के स्वयंसेवकों ने वार्ड क्रमांक 15 स्थित देवारपारा में जाकर पुरुषों के हाथों में राखी बांधी। इस पहल के माध्यम से संघ अपने व्यवहार से सामाजिक समरसता और प्रेम का सशक्त संदेश देता है।

संकल्प और जिम्मेदारी का प्रतीक

इस कार्यक्रम में सहप्रांत कार्यवाह गोपाल यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि संघ में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का त्योहार नहीं, बल्कि एक संकल्प है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्वयंसेवक समाज का रक्षक है और हर राखी एक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने राजा बलि और माता लक्ष्मी की कहानी भी सुनाई, जो इस पर्व के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रायपुर ग्रामीण जिला कार्यवाह लोकनाथ साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, पार्षद नमू ध्रुव तथा संघ के स्वयंसेवक और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। यह आयोजन संघ की सामाजिक प्रतिबद्धता और भारतीय संस्कृति के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है।

स्कूली बच्चों ने पुलिस कैंप में जवानों को बांधी राखी

गरियाबंद। पुलिस कैंप दर्रीपारा में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भावनात्मक नजारा देखने को मिला, जब शिशु मंदिर के स्कूली बच्चों ने वहां तैनात सीआरपीएफ एवं जिला बल के जवानों को राखी बांधी। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ जवानों की कलाई पर राखी बांधकर मिठाई खिलाई। इस दौरान जवानों के चेहरे पर खास मुस्कान देखने को मिली। बच्चों के आने से जवानों को अपने परिवार की याद कम हुई और त्यौहार का आनंद दुगना हो गया। जवानों ने भी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान कैंप में पारिवारिक माहौल बन गया और सभी ने मिलकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
ट्रॉमा केयर यूनिट
- पॉली ट्रॉमा
- मिनिमली इन्वेसिव ट्रॉमा सर्जरी
- कूल्हे एवं कमर के फ्रेक्चर
- पुराने ना जुड़े/टेढ़े-मेढ़े जुड़े फ्रेक्चर
- हड्डियों से मवाद रिसना
- ICU एवं क्रिटिकल केयर टीम की सेवा सहित
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

हरदी में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

छुरा/मुड़ागांव(कोरासी)। ग्राम पंचायत हरदी में रक्षा बंधन का पर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध कर भारतीय परंपरा रीति रिवाज संस्कृति को सहजते हुए बहन ईश्वरी और ईशु ने अपने भाई

रुपनाथ बंजारे अध्यक्ष उप सरपंच संघ जनपद पंचायत छुरा एवं भाजपा मंडल उपाध्यक्ष ने बंधवाए राखी। रक्षा बंधन एक प्रमुख हिंदू त्योहार है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक है। यह त्योहार हर साल सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता हैं रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और विश्वास को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं, तिलक करती हैं, मिठाई खिलाती हैं।और उनकी लंबी उम्र और सुखद जीवन की कामना करती हैं। बदले में भाई उन्हें उपहार देते हैं और उनकी रक्षा का वचन देते हैं।

जन्मजात, दुर्घटना या अन्य कारणों से कटे या टेढ़े-मेढ़े
कानों की रिशेपिंग
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

स्वामी जी-93406-38884
ज्योतिर्लिंग
By Train-रिजर्वेशन कोच
7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
श्री द्वारिकाधीश, श्री भेंट द्वारिका, सोमनाथ, नागेश्वर, ओमकालेश्वर, महाकालेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर, ममलेश्वर, रूखमणि मंदिर, गोपी तालाब, त्रयम्बकेश्वर, शिरडी सांई बाबा, शनि सिंघ्नापुर, नाशिक, पंचवटी, हनुमान जन्म स्थल
ऑफर केवल 10 अगस्त तक 18.08.2025
राशिः स्लीपर-18501/- ऑफर 16,501/-, 3AC-28,501/- ऑफर 26,501/-
स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दरों पर तीर्थ यात्रा
91111-11866
Head Office : सिटी सेंटर मॉल ग्राउण्ड फ्लोर पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 9,100/-
स्पेशल ट्रेन
04 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025, 22 जनवरी से 28 जनवरी 2026 (7 दिन)
गंगा सागर यात्रा
गंगा सागर, श्री जगन्नाथ पुरी, माँ कामाख्या देवी
ऑफर राशि : स्लीपर 9,100/-, 3 एसी-16,500/-, 2 एसी 21,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:- 7354-411411